महाराष्ट्र हिंदी परिषद की पत्रिका

# सार्थक उपलब्धि

E-mail : maharashtrahindiparishad@gmail.com Website : http://maharashtrahindiparishad.org

संपादक : **प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील**
**अध्यक्ष,** महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
**अध्यक्ष,** हिंदी विभाग, श्री शेठ मुरलीधरजी मानसिंगका साहित्य, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पाचोरा

वर्ष : 24
अंक : 26

कार्यकारी संपादक : **डॉ. गजानन चव्हाण**
**प्रधान सचिव,** महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
**अध्यक्ष,** हिंदी विभाग, श्रीमती गंगाबाई खिवराज घोडावत कन्या महाविद्यालय, जयसिंगपुर

## महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 28 वाँ अधिवेशन एवं अंतरराष्ट्रीय ई-संगोष्ठी

## भगवंतराव शिवाजी पाटील महाविद्यालय, परतवाड़ा,जि. अमरावती (महाराष्ट्र)

## (दि. 17 सितंबर, 2021)

महोदय, आपको सूचित करते हुए हर्ष हो रहा है कि महाराष्ट्र हिंदी परिषद के 28 वें अधिवेशन एवं एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय ई-संगोष्ठी का आयोजन भगवंतराव शिवाजी पाटील महाविद्यालय, परतवाड़ा में ''21 वीं सदी के हिंदी साहित्य में महिला लेखन की भूमिका'' विषय पर दि. **17 सितंबर, 2021** को होने जा रहा है।

सतपुड़ा पर्वत और मेलघाट के अंचल में बसे परतवाड़ा (अचलपुर) नगर का साहित्यिक, सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक, औद्योगिक, धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से विशेष महत्त्व हैं। निजामशाही के दौरान 'एलिचपुर' विदर्भ राज्य की राजधानी थी। विदर्भ मिल जो आज 'फिनले मिल्स' के नाम से जानी जाती है, में बना सूती कपड़ा बहुत मशहूर है। जैन तीर्थ मुक्तागिरि, बहिरम बाबा संस्थान, बहिरम यात्रा, कोलकास-सेमाडोह टाइगर प्रोजेक्ट, चिखलदरा हिल्स, अष्टमासिद्धि तीर्थ क्षेत्र एवं महानुभाव पंथ की काशी रिद्धपुर जैसे अनेक दर्शनीय स्थल इस नगर के आस-पास ही हैं, जो दर्शनार्थियों का मन मोह लेते हैं।

'भारतीय विद्या मंदिर', अमरावती की स्थापना सन् 1958 में श्री बापूसाहेब वैद्य, प्राचार्य अण्णा साहेब वैद्य, श्री बबनराव दादा मेटकर एवं उनकी मित्र मंडली ने की। 'भारतीय विद्या मंदिर' को संपूर्ण महाराष्ट्र में शिक्षकों की एकमेव संस्था के रूप में जाना जाता है। इस संस्था द्वारा तीन वरिष्ठ महाविद्यालयों को संचलित किया जाता है। इनमें भारतीय महाविद्यालय अमरावती, भगवंतराव शिवाजी पाटील महाविद्यालय, परतवाड़ा, भारतीय महाविद्यालय, मोर्शी हैं।

मेलघाट में बसे आदिवासी युवाओं और तत्कालीन उपेक्षित नगर परतवाड़ा के युवकों को सुशिक्षित करने की दृष्टि से प्राचार्य मनोहरराव धोटे एवं मा. माधवराव पाटील के अनुरोध पर प्राचार्य अण्णासाहेब वैद्य, मा. बबनराव मेटकर, मा. बाबासाहेब सोमवंशी, डॉ. भागवतकर, प्राचार्य बाळासाहेब कुलकर्णी, प्राचार्य चिंचमलातपुरे, मा. बाबासाहेब भोकरे एवं प्राचार्य रा. भा. महाजन आदि मित्र मंडली एवं भारतीय विद्या मंदिर, अमरावती के पदाधिकारियों ने दि. 20 जून 1969 को 'भगवंतराव शिवाजी पाटील महाविद्यालय' की स्थापना की। इस महाविद्यालय में कनिष्ठ महाविद्यालय व एच.एस.सी. व्होकेशनल विभाग भी संलग्न हैं। यह महाविद्यालय संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती से संलग्न है। महाविद्यालय को पुनर्मूल्यांकन में नॅक द्वारा 'बी' श्रेणी प्राप्त है।

महाविद्यालय की शुरूआत मात्र 128 छात्रों से हुई। वर्तमान में यह महाविद्यालय आस-पास के आदिवासी, ग्रामीण और नगर के युवाओं के के लिए शिक्षा का केंद्र बन गया है। स्नातक स्तर पर 14 एवं स्नातकोत्तर स्तर पर 5 विषयों के साथ यू.जी.सी. द्वारा प्रदत्त पाठ्यक्रमों का अध्ययन-अध्यापन यहाँ किया जा रहा हैं। महाविद्यालय के छात्र प्रति वर्ष विश्वविद्यालय की परीक्षाओं, युवा-महोत्सव, खेलों की स्पर्धाओं और अनेक सांस्कृतिक स्पर्धाओं में प्रांतीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्राविण्य प्राप्त करते हैं।

सन 2019 में महाविद्यालय का स्वर्ण जयंती समारोह संपन्न हुआ, जिसमें महाविद्यालय के पूर्व छात्रों को आमंत्रित किया गया था। ये छात्र साहित्यिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, उद्योग-जगत, फिल्म-जगत, शिक्षा-जगत एवं प्रशासनिक पदों पर आसीन होकर महाविद्यालय ही नहीं वरन अपने नगर का भी नाम रोशन कर रहे हैं।

महाविद्यालय की स्थापना के साथ ही हिंदी विभाग शुरू हुआ। शैक्षिक, बौद्धिक, वैयक्तिक, चारित्रिक, नैतिक, साहित्यिक एवं रोजगारोन्मुख विकास की दृष्टि से हिंदी विभाग अनेक उपक्रमों एवं कार्यक्रमों का आयोजन कर, निरंतर प्रयत्नशील है। दि. 2 एवं 3 फरवरी, 2010 को यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित दो-दिवसीय राष्ट्रीय हिंदी संगोष्ठी का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। वर्तमान में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेंद्र उमेकर हैं। संस्था के अध्यक्ष मा. डॉ. रमेशराव जी बिजवे, महासचिव मा. एड. यदुराजजी मेटकर एवं समस्त कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के निर्देशन व मार्गदर्शन में महाविद्यालय प्रगति-पथ पर अग्रसर है।

**-० संयोजक ०-**

**प्रो. डॉ. अरूण घोगरे**
**(प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग)**
भ्रमणध्वनि : 9422858299
dr.arunghogrey@gmail.com

**-० सह संयोजक ०-**

**डॉ. प्रफुल्ल कडू**
भ्रमणध्वनि : 8888437170

**डॉ. नंदकिशोर धोंडगे**
भ्रमणध्वनि : 9075014854

**-० अधिवेशन हेतु पंजीकरण शुल्क ०-**

पंजीकरण शुल्क रु. 200/- निर्धारित किया गया है। (रु.100/- संयोजक एवं रु.100/- परिषद सहयोग राशि)

● अपने सहयोगी हिंदी प्राध्यापकों को आजीव सदस्य बनने के लिए प्रोत्साहित करें । ●
● हिंदी के सभी प्राध्यापक **''हिंदी शोध संदर्भ कोश''** खरीद कर सहयोग दें । ●

# पाचोरा में संपन्न महाराष्ट्र हिंदी परिषद के 27 वें अधिवेशन का कार्यवृत्त

महाराष्ट्र हिंदी परिषद का 27 वाँ अधिवेशन एवं द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 'हिंदी साहित्य और हाशिए का समाज' विषय पर श्री शेठ मुरलीधरजी मानसिंगका साहित्य, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, पाचोरा में बड़े उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई । अधिवेशन का उद्घाटन दि. 10 जनवरी, 2020 की सुबह 10 बजे संपन्न हुआ । पाचोरा तालुका सहकारी शिक्षण संस्था के अध्यक्ष तथा पूर्व विधायक भाऊसाहब दिलीप वाघ जी ने समारोह की अध्यक्षता की । प्रमुख अतिथि के रूप में संस्था के चेअरमन मा. नानासाहेब संजय वाघ जी तथा संस्था के अन्य पदाधिकारी तथा संचालक उपस्थित थे । हिंदी के प्रसिद्ध उपन्यासकार श्री. भगवानदास मोरवाल जी ने 'हिंदी साहित्य और हाशिए का समाज' विषय पर अपना बीज-भाषण संवाद-शैली में प्रस्तुत किया । महाराष्ट्र हिंदी परिषद के अध्यक्ष डॉ. मधुकर खराटे जी ने परिषद का संक्षिप्त परिचय दिया । इस अवसर पर 'सार्थक उपलब्धि' का विमोचन प्रमुख अतिथियों के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ । इस अवसर पर महाराष्ट्र हिंदी परिषद की वेब साईट का लोकार्पण हुआ ।

दोपहर 3.00 बजे 'उपन्यास-साहित्य और हाशिए का समाज' विषय पर प्रथम सत्र प्रारंभ हुआ जिसमें डॉ. बाबासाहेब कोकाटे जी ने विषय प्रवर्तक के रूप में अपना मंतव्य प्रस्तुत किया । डॉ. सुनिल कुलकर्णी जी सत्र के अध्यक्ष थे । द्वितीय सत्र 'नाट्य-साहित्य और हाशिए का समाज' विषय पर संपन्न हुआ जिसमें डॉ. कामिनी तिवारी ने विषय प्रस्तुत किया और डॉ. मिथिलेश अवस्थी जी ने सत्र की अध्यक्षता की । 'काव्य और हाशिए का समाज' विषय पर डॉ. गौतम कुंवर जी ने अपना मंतव्य रखा अध्यक्ष के रूप में डॉ. विठ्ठलसिंह ढाकरे उपस्थित थे ।

रात 8 बजे 'अपूर्णांक' नाटक (मोहन राकेश के आधे-अधूरे नाटक का रूपांतरण) का आयोजन किया गया था । नाटक को देखने लगभग 1400 से अधिक दर्शक उपस्थित थे ।

11 जनवरी, 2020 को सुबह 9.00 बजे चतुर्थ सत्र 'कहानी-साहित्य और हाशिए का समाज' विषय पर प्रारंभ हुआ । विषय प्रवर्तक के रूप में डॉ. पंढरीनाथ पाटील जी ने अपनी भूमिका प्रस्तुत की । डॉ. दत्ता मुरूमकर जी ने सत्र के अध्यक्ष के रूप में अपना मंतव्य रखा ।

सुबह 11.00 बजे परिषद का खुला अधिवेशन संपन्न हुआ । डॉ. मधुकर खराटे जी इस सत्र के अध्यक्ष थे । इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. कृष्णा पोतदार जी को 'सारस्वत सम्मान' से सम्मानित किया गया । डॉ. दादासाहेब खांडेकर जी को 'उत्कृष्ट आलेख पुरस्कार' दिया गया । डॉ. राजेंद्र रोटे जी ने पिछली आम सभा का इतिवृत्त प्रस्तुत किया तथा डॉ. गजानन चव्हाण जी ने आय-व्यय तथा बजट प्रस्तुत किया । इस अवसर पर ग्रंथों का विमोचन मान्यवरों के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ । इस अवसर पर अनेक प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा हुई और उन्हें पारित किया गया ।

अधिवेशन का समापन समारोह दोपहर 12.00 बजे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी. एन. पाटील जी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ । मंच पर प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. चंद्रदेव कवडे जी, डॉ. पांडुरंग पाटील जी, डॉ. मधुकर खराटे जी उपस्थित थे । संगोष्ठी के संयोजक डॉ. जिजाबराव पाटील जी ने प्रास्ताविक किया । इस अवसर पर महाराष्ट्र हिंदी परिषद की नूतन कार्यकारिणी के अविरोध चुनाव की घोषणा परिषद के अध्यक्ष डॉ. मधुकर खराटे जी ने की । नूतन अध्यक्ष के रूप में डॉ. जिजाबराव पाटील तथा सचिव के रूप में डॉ. गजानन चव्हाण का चयन हुआ । मंच पर डॉ. अनिल साळुंखे, डॉ. अरूण घोगरे, डॉ. राजेंद्र रोटे उपस्थित थे ।

**निवेदन हैं कि...**

**महाराष्ट्र हिंदी परिषद के सभी आजीवन सदस्यों से निवेदन है कि वे अपना ई-मेल और भ्रमणध्वनि क्रमांक तुरंत परिषद के ई-मेल पर प्रेषित करे ताकि संपर्क बनाये रखने में सुविधा होगी ।**

E-mail : maharashtrahindiparishad@gmail.com परिषद की Website : http://maharashtrahindiparishad.org

# महाराष्ट्र हिंदी परिषद के पुरस्कार एवं सम्मान

**1. सारस्वत सम्मान -**

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के वार्षिक अधिवेशन में परिषद की ओर से सारस्वत सम्मान दिया जाता है । यह सम्मान हिंदी भाषा एवं साहित्य में उल्लेखनीय कार्य हेतु प्रदान किया जाता है । इस पुरस्कार का चयन मा. अध्यक्ष, महाराष्ट्र हिंदी परिषद एवं अधिवेशन के संयोजक की सम्मति से होता है । परिषद की ओर से रु. 2100/- की राशि और प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है ।

**2. उत्कृष्ट शोधालेख पुरस्कार -**

महाराष्ट्र हिंदी परिषद के वार्षिक अधिवेशन के अवसर पर 'सार्थक उपलब्धि' वार्षिकांक के लिए भेजे गए आलेखों में से 'उत्कृष्ट आलेख' का चयन करके परिषद की ओर से उसे पुरस्कृत किया जाता है । परिषद की ओर से रु. 1001/- की राशि और प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है ।

**-: संपर्क :-**

**प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील**
**अध्यक्ष,** महाराष्ट्र हिंदी परिषद,
अध्यक्ष, हिंदी विभाग, श्री शेठ मुरलीधरजी मानसिंगका साहित्य, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय,
पाचोरा, जि. जलगाँव,
भ्रमणध्वनि - 8275588961

## -: संगोष्ठी का विषय :-

''21 वीं सदी के हिंदी साहित्य में महिला लेखन की भूमिका''

(महिला लेखन से तात्पर्य है – महिला साहित्यकारों द्वारा किसी भी विषय पर एवं किसी भी विधा में लिखा गया साहित्य । जिसमें केवल नारी विमर्श ही नहीं, बल्कि सभी विमर्श अपेक्षित हैं । बशर्ते वह लेखन महिला साहित्यकारों द्वारा ही किया गया हो । अतः सन 2000 के बाद की कृतियों / रचनाओं को ही दृष्टिकेंद्र में रखकर शोधालेख तैयार किये जाए ।)

## -० सभा सूचना ०-

परिषद के नियामक मंडल की सभा दि. 16 सितंबर 2021, गुरुवार के दिन सायं. 6.00 बजे ऑनलाईन आयोजित की गयी है । नियामक मंडल के सभी सम्माननीय सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है ।

## महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ

- आप स्वयं तथा अपने साथियों को भी अधिवेशन में सम्मिलित कीजिए ।
- हिंदी के अधिक से अधिक प्राध्यापकों को परिषद का आजीवन सदस्य बनने हेतु प्रेरित करें ।
- पुरस्कार स्वरूप परिषद के पास एकमुश्त ठोस धनराशि भेजकर परिषद को समृद्ध बनाइए ।
- परिषद के सदस्य एवं प्रतिभागियों से अनुरोध है कि परिषद द्वारा प्रकाशित हिंदी शोध संदर्भ कोश स्वयं तथा अपने महाविद्यालय के लिए खरीदकर सहयोग प्रदान करें ।
- अधिवेशन तथा संगोष्ठी में सम्मिलित होकर सक्रिय योगदान दीजिए ।

## -: आलेख भेजने हेतु सूचना :-

इस वर्ष शोधालेख Peer - Reviewed and Refereed International Research e-Journal 'अक्षरा' अंतर विद्याशाखीय पत्रिका (AMRJ) में प्रकाशित किये जायेंगे । जिसका Impact Factor - 5.54 है । शोधालेख भेजने के संदर्भ कुछ महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ निम्न प्रकार हैं –

1. शोधालेख 1500 से 2000 शब्दों में हो ।
2. शोधालेख में संदर्भ अनिवार्य हैं ।
3. शोधालेख युनिकोड मंगल फाँट में हो, जिसका फाँट साईज 14 होना चाहिए । किसी और फाँट में प्रेषित शोधालेख स्वीकार्य नहीं होंगे ।
4. शोधालेख की Soft Copy तथा PDF File दोनों प्रेषित करें ।
5. शोधालेख परिषद के अध्यक्ष प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील के ई–मेल **drjvpatil2@gmail.com** पर प्रेषित करें ।
6. शोधालेख के साथ रु. **250** / – RTGS / NEFT/Any App द्वारा निम्न खाते में अदा करें –
   जिजाबराव विश्वासराव पाटील
   बँक ऑफ महाराष्ट्र, पाचोरा शाखा
   बँक खाता संख्या – 20222671728
   IFSC : MAHB0000309
7. भुगतान की रसीद (फोटो कॉपी) प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील के Whatsapp No. 8275588961 पर अवश्य प्रेषित करें । अन्यथा शोधालेख प्रकाशित नहीं किया जाएगा ।
8. शोधालेख में अपने नाम के साथ Whatsapp वाला मोबाईल नंबर तथा ई–मेल आयडी का उल्लेख अवश्य करें ।
9. शोधालेख भेजने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2021 होगी । इसके बाद कोई भी शोधालेख स्वीकार नहीं किया जाएगा ।
10. शोधालेख प्रकाशन शुल्क के साथ–साथ पंजीकरण शुल्क अदा किये बिना कोई भी शोधालेख प्रकाशित नहीं किया जाएगा । अतः पंजीकरण शुल्क अदा करने के उपरांत उसकी भुगतान रसीद संयोजक एवं अध्यक्ष को प्रेषित करने का कष्ट करें ।

## -: अधिवेशन की स्थूल रुपरेखा :-

### गुरुवार दि. 16 सितंबर, 2021

| | | | |
|---|---|---|---|
| सायं. | : | 06.00 बजे | नियामक मंडल सभा |

### शुक्रवार दि. 17 सितंबर, 2021

| | | | |
|---|---|---|---|
| प्रातः | : | 10.00 से 11.30 | उद्घाटन एवं बीजभाषण |
| | | 11.30 से 12.30 | प्रथम सत्र |
| | | 12.30 से 01.30 | द्वितीय सत्र |
| | | 01.30 से 02.30 | खुला अधिवेशन एवं समापन |

माननीय सदस्यों से अनुरोध है कि वे खुले अधिवेशन में रखें जाने वाले प्रस्ताव मा. प्रधान सचिव डॉ. गजानन चव्हाण के पास सूचक एवं अनुमोदक के नाम एवं हस्ताक्षर के साथ 15 सितंबर 2021 तक भेजने का कष्ट करें ।

# महाराष्ट्र हिंदी परिषद की नूतन कार्यकारिणी (2020-24)

❖ अध्यक्ष

**प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील**
हिंदी विभाग, श्री शेठ मुरलीधरजी मानसिंगका साहित्य, विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, पाचोरा, जि. जलगाँव,
भ्रमणध्वनि - 8275588961

❖ उपाध्यक्ष

◆ **प्रो. डॉ. बाबासाहेब कोकाटे**
हिंदी विभाग, बलभीम महाविद्यालय, बीड
भ्रमणध्वनि - 9545154555

◆ **प्रो. डॉ. अरुण धोंगरे**
हिंदी विभाग, बी. एस. पाटील महाविद्यालय, परतवाड़ा, भ्रमणध्वनि - 9422858299

◆ **प्रो. डॉ. अनिल काळे**
हिंदी विभाग, कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय,नारायणगांव, जि. पुणे,
भ्रमणध्वनि - 9860706853

❖ प्रधान सचिव

**डॉ. गजानन चव्हाण**
हिंदी विभाग, श्रीमती गंगाबाई खिवराज घोडावत कन्या महाविद्यालय, जयसिंगपुर
भ्रमणध्वनि - 9890277316

❖ कोषाध्यक्ष

**प्रो. डॉ. अनिल साळुंखे**
हिंदी विभाग, यशवंतराव चव्हाण महाविद्यालय, करमाला, जि. सोलापुर
भ्रमणध्वनि - 9421023304

❖ संयुक्त सचिव

◆ **डॉ. सुरेश शेळके**
हिंदी विभाग, कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, औंढा नागनाथ, जि. हिंगोली
भ्रमणध्वनि - 9422875276

◆ **प्रा. देविदास बामणे**
हिंदी विभाग, भाऊसाहेब नेने महाविद्यालय, पेण (रायगड) भ्रमणध्वनि - 9623863270

❖ विश्वविद्यालय के सहसचिव

डॉ. महेंद्र रघुवंशी, जलगाँव
डॉ. बाबासाहेब माने, पुणे
प्रो. डॉ. प्रमोद पाटील, औरंगाबाद
प्रो. डॉ. संजय नरवाडे, नांदेड
डॉ. सुमेध नागदेवे, नागपुर
डॉ. सुनिल बनसोडे, कोल्हापुर
डॉ. दादासाहेब खांडेकर, सोलापुर
प्रो. डॉ. बालकवि सुरंजे, मुंबई
डॉ. संगिता जगताप, अमरावती
डॉ. सुरेश कानडे, मुंबई
प्रो. डॉ. शैलेंद्रकुमार शुक्ल, गडचिरोली

❖ पदेन मनोनीत सदस्य

डॉ. वसंत केशव मोरे, कोल्हापुर
प्रो. डॉ. चंद्रदेव कवडे, औरंगाबाद
प्रो. डॉ. पांडुरंग पाटील, कोल्हापुर
डॉ. मधुकर खराटे, भुसावल
डॉ. राजेंद्र रोटे, कोल्हापुर
डॉ. विठ्ठलसिंह ठाकरे, लासलगाँव

❖ मनोनीत सदस्य

प्रो. डॉ. सुधाकर शेंडगे, औरंगाबाद
प्रो. डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर, मुंबई
प्रो. डॉ. अमोल पालकर, बीड
प्रो. डॉ. गोविंद बुरसे, औरंगाबाद

## महाराष्ट्र हिंदी परिषद का गौरवशाली प्रकाशन
## 'हिंदी शोध संदर्भ कोश'

महाराष्ट्र में शोध की पुनरावृत्ति न हो तथा शोध में स्तरीयता लाने हेतु परिषद ने महाराष्ट्र के सभी विश्वविद्यालयों में सन् 2000 तक संपन्न शोध-कार्य पर एक परिपूर्ण संदर्भ कोश बनाने की योजना बनाई थी । अथक परिश्रम से सह कार्य संपन्न हो चुका है । शोधार्थियों तथा शोधनिर्देशकों के लिए यह कोश दिशानिर्देशक तथा ग्रंथालय के लिए संग्राह्य बन चुका है । इस कोश का मूल्य रु. 400/- है । संस्था / ग्रंथालय तथा व्यक्ति को 50% छूट दी जाएगी । सन् 2000 के बाद काफी शोधकार्य संपन्न हुआ है । अतः 'शोध-संदर्भ कोश' का द्वितीय खंड तैयार करना जरुरी है । हर एक महाविद्यालय के ग्रंथालय के लिए इसकी एक प्रति खरीदने से ही 'दूसरा खंड' प्रकाशित करना संभव हो सकता है । अतः प्रतिभागियों से अनुरोध हैं कि वे अपने महाविद्यालय एवं स्वयं के लिए 'हिंदी शोध संदर्भ कोश' खरीदें ।

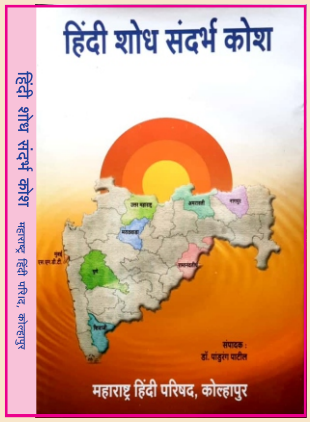


❖ प्रकाशक एवं कार्यकारी संपादक :
डॉ. गजानन चव्हाण
प्रधान सचिव,
महाराष्ट्र हिंदी परिषद

❖ संपादक :
प्रो. डॉ. जिजाबराव पाटील
अध्यक्ष,
महाराष्ट्र हिंदी परिषद

प्रेषक,
**डॉ. गजानन चव्हाण**
प्रधान सचिव, महाराष्ट्र हिंदी परिषद द्वारा
ग्रेशिया अपार्टमेंट, A विंग, F1, पाटील वाडा
होटेल के पीछे, पुणे बायपास,
सांगली - 416 416
भ्रमणध्वनि - 9890277316

*सदस्यों में निः शुल्क वितरण के लिए ।*

बुक-पोस्ट (मुद्रित सामग्री)

**प्रतिष्ठा में,**

_____

_____

_____

_____